ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

मुल्ला का लगान
कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी (LOWER HINDI)
पाठ : २
पाठ का नाम : मुल्ला का लगान
PPT-2

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

3 मुल्ला का लगान

चिंतन-मनन

बुद्धिमानी से शक्तिशाली और बड़े से बड़े व्यक्ति को भी हराया जा सकता है। ठग और धूर्त कभी मत बनो।

एक बार बादशाह ने मंत्री जी से राज्य का हिसाब-किताब माँगा। मंत्री जी ने तुरंत मौलाना साहब को बुलवा भेजा। हिसाब देखकर बादशाह कुछ नाराज़ हुए, क्योंकि आज तक मौलाना साहब ने कभी भी मुल्ला नसीरुद्दीन की फ़सल का लगान वसूल नहीं किया था। पूछने पर मौलाना ने जवाब दिया कि जब भी मुल्ला से लगान माँगा जाता है, उसके पास देने के लिए मोहरें नहीं होतीं। बादशाह ने हुक्म दिया–"जाओ, जो भी फ़सल तैयार हो, उसका आधा भाग ले आओ।"

जब मुल्ला तक यह खबर पहुँची, तो उसने सोचा कि मेहनत मैं करूँ और फ़सल का आधा भाग मौलाना ले ले–यह कहाँ का न्याय है?

थोड़े ही दिनों में मुल्ला की फ़सल तैयार हो गई, तो मौलाना मुल्ला के पास पहुँचे।

मुल्ला ने मौलाना से कहा–"बताओ, तुम

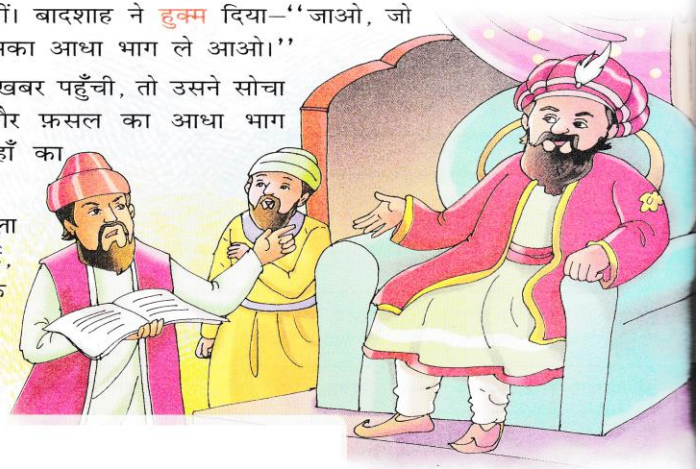

शब्दार्थ –

नाराज़ = नाखुश
लगान = भूमिकर
हुक्म = आदेश
मौलाना = इस्लाम सिद्धांतों का पंडित या अरबी भाषा का पंडित

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न –

१. शक्तिशाली और बड़े - बड़े व्यक्ति को कैसे हराया जा सकता है?
२. इस पाठ में हमें क्या - क्या न बनने की बात कही गई है?
३. बादशाह ने मंत्री से क्या माँगा ?
४. बादशाह क्यों नाराज़ हुए ?
५. बादशाह ने क्या हुक्म दिया ?
६. जब मुल्ला तक खबर पहुँची , तो उसने क्या सोचा ?
७. मुल्ला ने मौलाना से क्या कहा?

८. **वाक्य बनाइए –**

नाराज़ – ----------
तैयार - ----------
लगान – ----------
मेहनत – ----------
हुक्म- ----------

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow